हमारे अगुवों की ओर से सन्देश

विश्व सहभागिता रविवार: 500 वर्षों की सहभागिता

विश्व सहभागिता रविवार आराधना मार्गदर्शिका से: वेननजुएला से पलायन कर आए लोगों को इग्लेसिया मेनोनिटा डे रियोहाचा, कोलम्बिया में ग्रहण किया गया। फोटो: इग्लेसिया मेनोनिटा डे रियोहाचा।

विज्ञप्ति जारी करने की तारीख: सोमवार, 8 अक्टूबर 2018

प्रतिवर्ष 21 जनवरी के सबसे नजदीक वाले रविवार को, मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस अपने 107 सदस्य कॉंफ्रेंसों को आमत्रित करती है कि एक साथ मिलकर विश्व सहभागिता रविवार का उत्सव मनाएं।

हर वर्ष आराधना के लिए एक अलग मूलविषय निर्धारित किया जाता है, परन्तु इस आयोजन का मूल कारण वही है – 21 जनवरी 1525 को, स्विट्जरलैण्ड के ज्यूरिख में, मसीहियों के एक छोटे से झुण्ड ने बपतिस्मा की एक ऐसी सभा में भाग लिया था जिसने नवजागरण का वह आंदोलन आरम्भ किया जिसे वर्तमान में हम ऐनाबैपटिस्टवाद के नाम से जानते हैं।

जैसा कि प्रत्येक सुधार आंदोलन के साथ होता है, इस आंदोलन की भी पहचान 1525 की इस एक ही सर्द दिन में पूरी तरह से स्थापित नहीं हो गई थी। वर्तमान में आमिश, मेनोनाइट्स, हुट्टराट्स, और लगभग एक दर्जन अन्य समूह स्विट्जरलैण्ड के इन आरम्भिक ऐनाबैपटिस्ट लोगों को अपना संस्थापक मानते हैं।

इन समूहों में से प्रत्येक अपनी कलीसिया के आरम्भ के एक अलग समय को भी चिन्हांकित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अमिश लोगों के अनुसार उनकी कलीसिया का आरम्भ 1693 में जेकब आम्मान द्वारा चलाए गए एक नवजागृति आंदोलन से हुआ था। हुट्टराइट्स ने 1528 में पहली बार *कम्युनिटी ऑफ गुड्स* (एक दूसरे के साथ अपनी वस्तुओं को साझा करना) को व्यवहार में लाया, और उन्हें जेकब हूयूटर के नाम से अपनी पहचान स्थापित करने के लिए अनेक वर्ष लगे। एक समूह ने इस प्रकार के सारे स्मरणोत्सवों विरोध किया, और इस बात पर जोर दिया कि ऐनाबैपटिस्ट–मेनोनाइट आरम्भ का वास्तविक समय पुनरूत्थान का रविवार या, शायद पिन्तेकुस्त ही हो सकता है।

जब हम अपना ध्यान विश्वव्यापी कलीसिया की ओर केन्द्रित करते हैं, तो ''आरम्भ'' सम्बन्धी यह मुद्दा और भी जटिल हो जाता है।

क्या जावा में ऐनाबैपटिस्ट मेनोनाइट परम्परा का आरम्भ पीयटर और जोहान्ना जोन्सज के आगमन के साथ 1852 में हुआ था; या फिर एक दशक बाद तुंग्गोल वुलुंग की अगुवाई में कलीसिया के स्वदेशीकरण के साथ हुआ था?

क्या मेसेरेट क्रिस्टोस चर्च ऑफ यूथोपिया का आरम्भ पेन्नसिलवेनिया के प्रथम मेनोनाइट मिश्नरियों के आगमन पर 1945 में हुआ था? या फिर *हेवेनली सनशाइन* नामक एक नवजागृति आंदोलन के साथ 1962 में? या फिर 1965 में उस समय जब उन्होंने अपनी कलीसिया को ''चर्च द फाउन्डेशन'' नाम देने का निर्णय लिया?

पिछली सौ वर्षों में, यूरोप मूल के अधिकांश मेनोनाइट लोगों ने यह माना है कि 21 जनवरी 1525 की तिथि ही लगभग सहीं हैं; तौभी यह घटना ऐतिहासिक महत्व का केन्द्र तब बनी जब कुछ ही वर्षों पहले 1925 में सात देशों के मेनोनाइट अगुवे स्विट्जरलैण्ड में एकत्रित हुए कि दक्षिण रूस में मेनोनाइट शरणार्थियों की सहायता करने के लिए राहत प्रयासों को मिलकर योगदान दें।

आने वाले दशक में, संसार भर के मेनोनाइट लोगों के लिए यह अवसर होगा कि वे ऐनाबैपटिस्ट आंदोलन के आरम्भ की 500वीं वर्षगाँठ का उत्सव मनाएं।

2015 में, सदस्य काँफ्रेंसों और *इक्यूमैनिकल पाटनर्स* के साथ चर्चा करने के बाद, एमडब्ल्यूसी कार्यकारिणी समिति ने कार्यक्रमों की एक दस वर्षीय श्रृंखला के आयोजनों की स्वीकृति दी जिसे ''रिन्यूवल 2027'' नाम दिया गया। इसका आरम्भ 2017 में हुआ, और तब से एमडबल्यूसी संसार के विभिन्न भागों में हर वर्ष एक उत्सव का आयोजन करती है, और इस अवसर पर विशेष रूप से, उन तरीकों को सामने लाया जाता है जिन तरीकों से आयोजन के मेजबान देश में ऐनाबैपटिस्ट परम्परा को अभिव्यक्त किया जाता है।

यह योजना भी तैयार की जा रही है कि 2025 में यूरोप में एक बड़े उत्सव का आयोजन किया जाए (एमडबल्यूसी जनरल कॉंसिल और यूरोपीयन मेनोनाइट कलीसियाओं के अधिवेशन के साथ संयुक्त आयोजन) जिसमें इक्यूमैनिकल पाटनर्स, यूरोपीयन मेनोनाइट और बैपटिस्ट हिस्टोरिकल सोसाइटीज और स्थानीय स्विज मेनोनाइट चर्च के द्वारा भी सहयोग किया जाएगा।

इसलिए, जैसा कि एमडब्ल्यूसी दशकों से विश्व सहभागिता रविवार पर सार्वजनिक रूप से पुष्टि करता आ रहा है, 21 जनवरी 1525 को हुए बपतिस्मे इस तिथि को महत्वपूर्ण बना देते हैं कि हम इस दिन स्मरणोत्सव मनाएं।

परन्तु एमडब्ल्यूसी के इन उत्सवों का समापन 18वें विश्व सम्मेलन में हो जाएगा, जो बहुत सम्भव है कि 2017 में अफ्रीकी महाद्वीप के किसी देश में आयोजित किया जाए। ऐसा करना इस बात का स्मरणार्थ होगा कि मेनोनाइट परम्परा सोलहवीं शताब्दी की अपनी यूरोपीय उत्पत्ति से बन्धी हुई नहीं है। हम एक विश्वव्यापी आंदोलन का एक हिस्सा है, जो हमेशा नया बनता जाता है, जो इतिहास में जड़ पकड़े हुए है – चाहे यरूशलेम, या ज्यूरिख, या सेमरांग – और भविष्य की ओर उन्मुख है।

जॉन रोथ, फेथ एण्ड लाइफ कमीशन के सचिव की ओर से जारी मेनोनाइट वर्ल्ड काँफ्रेंस विज्ञप्ति। इस लेख का एक संस्करण द मेनोनाइट में प्रकाशित हुआ था।

विश्वव्यापी ऐनाबैपटिस्ट परिवार के साथ विश्व सहभागिता रविवार का उत्सव मनाएं। आराधना के लिए सहायक मार्गदर्शिका एमडब्ल्यूसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।